+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग ब्रेकथ्रू ने डेयरी पारदर्शिता को बढ़ाया, किसानों के लिए सुरक्षा प्रदान की

एक महत्वपूर्ण प्रगति में, लुधियाना में गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (गडवासु) ने उत्तरी भारत में धोखाधड़ी की प्रथाओं को उजागर करते हुए, डेयरी जानवरों के वंश की पुष्टि करने के लिए डीएनए फिंगरप्रिंटिंग की शुरुआत की है।

इस अत्याधुनिक पद्धति का उद्देश्य उन बेईमान विक्रेताओं को विफल करना है जो डेयरी किसानों को घटिया वीर्य को अधिक दूध देने वाली बैल संतान के रूप में गलत तरीके से बेचकर या बछड़ों को अधिक दूध देने वाली भैंसों की संतान के रूप में गलत तरीके से पेश करके धोखा देते हैं। असाधारण 99.99% सटीकता दर के साथ, यह सुविधा किसानों को सुरक्षित और मान्य लेनदेन के लिए सशक्त बनाती है

व्यापक शोध से प्राप्त यह सफलता न केवल डेयरी उद्योग में पारदर्शिता का वादा करती है, बल्कि किसानों को वित्तीय नुकसान से भी बचाती है, जिससे उच्च आनुवंशिक योग्यता वाले जर्मप्लाज्म की विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है। इस सुविधा की स्थापना डेयरी क्षेत्र के भीतर कदाचार को खत्म करने और नैतिक मानकों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

TANA, कृष्णा मिल्क यूनियन और VCNS ने दूध किसानों को मुफ्त चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए हाथ मिलाया

एक परोपकारी पहल में, तेलुगु एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (TANA), कृष्णा डिस्ट्रिक्ट मिल्क प्रोड्यूसर्स म्युचुअली एडेड कोऑपरेटिव यूनियन (कृष्णा मिल्क यूनियन), और वरुण कार्डिएक एंड न्यूरो साइंसेज (VCNS) 1.50 लाख दूध किसानों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

वीसीएनएस के अध्यक्ष, डॉ. गुंटूर वरुण ने पात्र किसानों के लिए हृदय शल्य चिकित्सा के साथ-साथ हृदय, यकृत, गुर्दे और दंत चिकित्सा उपचार की भी घोषणा की। राधा लक्ष्मी हार्ट फाउंडेशन, इंडियन एसोसिएशन ऑफ इंटरवेंशनल कार्डियक सर्जन (आईएआईसीएस) के सहयोग से, कुल लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत वहन करेगा।

सम्मेलन का उद्देश्य उपलब्धियों का जश्न मनाना, उद्योग के रुझानों पर चर्चा करना और हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। चूँकि हैदराबाद केंद्र में है, यह आयोजन भारत के डेयरी क्षेत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने का वादा करता है।

केरल में मिल्क कॉप अतिरिक्त ₹10 प्रति लीटर के साथ डेयरी किसानों की आय को बढ़ावा देगा

यह फरवरी में ₹7 की वृद्धि के बाद आया है, जिसमें ₹5 किसानों को और ₹2 प्राथमिक डेयरी सोसायटी को दिए गए हैं। मार्च के लिए, सहकारी समिति ने किसानों को अतिरिक्त ₹6 और डेयरी समितियों को ₹4 आवंटित करने की योजना बनाई है।

डेयरी किसानों को समर्थन देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, एर्नाकुलम क्षेत्रीय सहकारी दूध उत्पादक संघ ने पूरे मार्च में डेयरी समितियों को प्रति लीटर दूध के लिए ₹10 का अतिरिक्त भुगतान करने की घोषणा की है।

इस पहल से एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोट्टायम और इडुक्की जिलों में 1,000 से अधिक दुग्ध समितियों को लाभ होगा। सहकारी समिति को बढ़े हुए भुगतान के कारण ₹16 करोड़ के खर्च का अनुमान है, जिससे दैनिक दूध की खरीद तीन लाख लीटर तक पहुंच जाएगी।

पीएम मोदी ने पशुधन ट्रैसेबिलिटी के लिए 'भारत पशुधन' लॉन्च किया

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (एनडीएलएम) में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर चिह्नित करते हुए पशुधन पशुओं के लिए एक डिजिटल डेटाबेस 'भारत पशुधन' का उद्घाटन किया। अनुमानित 29.6 करोड़ गोवंश में से प्रत्येक के लिए एक अद्वितीय 12-अंकीय टैग आईडी का उपयोग करते हुए, यह पहल किसानों को ट्रैसेबिलिटी सिस्टम के साथ सशक्त बनाती है, जिससे रोग की निगरानी और नियंत्रण में सहायता मिलती है। पीएम ने '1962 फार्मर्स ऐप' भी पेश किया, जो 'भारत पशुधन' डेटाबेस से डेटा तक आसान पहुंच प्रदान करता है।

बिहार के बेगुसराय में कार्यक्रम के दौरान, पीएम मोदी ने 1.48 लाख करोड़ रुपये की कई तेल और गैस क्षेत्र की परियोजनाओं और बिहार में 13,400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की आधारशिला रखी। भीड़ को संबोधित करते हुए, उन्होंने भारत के विकास में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और पेट्रोलियम, उर्वरक और रेलवे पर ध्यान केंद्रित करते हुए तेजी से प्रगति के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। परियोजनाओं का उद्देश्य रोजगार के नए अवसर पैदा करना, भारत की आर्थिक स्थिति में योगदान देना और बिहार में समृद्धि को बढ़ावा देना है।

पीएम मोदी ने बरौनी रिफाइनरी के विस्तार सहित बिहार में 65,000 करोड़ रुपये से अधिक की पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस से संबंधित पूर्ण परियोजनाओं को रेखांकित किया। यह पहल बिहार को यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और महिलाओं को कम लागत वाली गैस उपलब्ध कराने, औद्योगिक विकास को सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित है। प्रधान मंत्री ने ओएनजीसी कृष्णा गोदावरी गहरे पानी परियोजना से पहले कच्चे तेल टैंकर को भी हरी झंडी दिखाई, जो महत्वपूर्ण तेल और गैस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता में सुधार में योगदान देगा।

अपने संबोधन में, पीएम मोदी ने मुफ्त राशन, आवास, गैस कनेक्शन और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी योजनाओं के माध्यम से सामाजिक न्याय के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए वंशवाद की राजनीति की आलोचना की। उन्होंने सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से विकसित बिहार की कल्पना करते हुए गरीबों, महिलाओं, किसानों, कारीगरों और पिछड़े समुदायों के कल्याण के लिए बिहार की एनडीए सरकार के अथक प्रयासों की सराहना की। पीएम ने लोगों की सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम में महिलाओं की महत्वपूर्ण उपस्थिति के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

उत्तर प्रदेश में डेयरी क्षेत्र में 9,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित, उत्पादन और रोजगार को बढ़ावा

उत्तर प्रदेश के डेयरी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में, एक ग्राउंडब्रेकिंग समारोह के दौरान शुरू की गई परियोजनाएं कुल 9,000 करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने के लिए तैयार हैं। 2022-23 में भारतीय राज्यों में सबसे अधिक दूध उत्पादक के रूप में उभरने के बावजूद, राज्य अभी भी अपेक्षाकृत कम दूध उत्पादन क्षमता से जूझ रहा है, जो पर्याप्त विकास का अवसर पेश करता है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में वाराणसी में उद्घाटन किए गए बनास काशी कॉम्प्लेक्स सहित पहल का उद्देश्य राज्य के भीतर रोजगार के अवसर पैदा करते हुए इस अंतर को संबोधित करना है।

सीपी मिल्क एंड फ़ूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, बाराबंकी में 300 करोड़ रुपये के निवेश के साथ विस्तार करने के लिए तैयार है, जिससे 90 लोगों के लिए रोजगार पैदा होगा। स्मार्ट ग्रिड प्राइवेट लिमिटेड 1,100 करोड़ रुपये के निवेश से गोंडा में एक इकाई स्थापित करेगी, जिसमें 3,000 रोजगार के अवसर मिलेंगे। रिंकू डेयरी ने 790 करोड़ रुपये के संयुक्त निवेश के साथ बरेली और शाहजहाँपुर में उद्यम स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसमें 1,300 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

कई अन्य उल्लेखनीय निवेशों में बरेली डेयरीज़ लिमिटेड, मित्र सेवा इंश्योरेंस एंड फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड, गोपाल जी डेयरी, बुलंदशहर में क्रीमी फूड्स, मेरठ में प्रधान मिल्क चिलिंग प्लांट और बरेली में डेयरी क्राफ्ट की परियोजनाएं शामिल हैं, जो सामूहिक रूप से विकास और समृद्धि में योगदान दे रही हैं।

बनास काशी कॉम्प्लेक्स परियोजना से लगभग 3,000 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 1 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है, विशेष रूप से पूर्वांचल के 1,346 गांवों के किसानों को लाभ होगा। डेयरी आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बनासकांठा जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ लिमिटेड के लिए 800 करोड़ रुपये के निवेश के साथ बागपत में एक डेयरी इकाई स्थापित करने की योजना का खुलासा किया, जिससे 4,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने जमशेदपुर में 68 करोड़ रुपये के डेयरी प्लांट की नींव रखी

झारखंड में डेयरी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में, मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने गुरुवार को जमशेदपुर के बालीगुमा, मानगो में मेधा डेयरी प्लांट की आधारशिला रखी। 68 करोड़ रुपये की लक्षित लागत के साथ, संयंत्र पांच एकड़ भूमि को कवर करेगा, जिसकी प्रारंभिक क्षमता प्रतिदिन 50,000 लीटर होगी, जिसे भविष्य में एक लाख लीटर तक बढ़ाया जा सकता है। यह परियोजना शुरू करने के लिए पिछले 15 वर्षों में तीसरा प्रयास है, पिछली नींव 2010 और 2016 में रखी गई थी लेकिन प्रगति में असफल रही।

झारखंड राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ के अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने के बाद निर्माण शुरू हो जाएगा। सीएम सोरेन ने शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए प्रत्यक्ष रोजगार और कई अप्रत्यक्ष नौकरी के अवसरों के सृजन पर जोर देते हुए परियोजना के सफल समापन को सुनिश्चित करने का विश्वास व्यक्त किया।

सोरेन ने आसपास के गांवों में ग्रामीण निवासियों को पशुपालन में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए संयंत्र की क्षमता पर प्रकाश डाला। किसानों, महिलाओं और वंचित वर्गों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, सीएम ने राज्य के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। राजनीतिक रुख अपनाते हुए, उन्होंने आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की हार की भविष्यवाणी की, और कहा कि इंडिया ब्लॉक उचित समय पर उम्मीदवार चयन पर ध्यान देगा।

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने शिलान्यास समारोह पर आपत्ति व्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि सीएम इस कार्यक्रम को टाल सकते थे। मेधा डेयरी प्लांट के सफल कार्यान्वयन से झारखंड के डेयरी उद्योग को बढ़ावा मिलने और ग्रामीण आर्थिक विकास में योगदान मिलने की उम्मीद है।

धर्मशाला के अधिकारी किसानों को आर्थिक स्थिरता के लिए फसल और पशु बीमा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं

जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार और समन्वय समिति के साथ हाल ही में एक बैठक में, कांगड़ा एडीसी सौरभ जस्सल ने पशुपालन विभाग से किसानों को फसल और पशु बीमा का विकल्प चुनने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। जस्सल ने किसानों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए ग्रामीण स्तर पर छोटे प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, उन्होंने बैंकों को लंबित कृषि ऋणों के निपटान में तेजी लाने और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान गरीबी उन्मूलन योजनाओं की प्रगति और वार्षिक योजना के तहत दिसंबर 2023 तक जिले के सभी बैंकों की उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। कृषि और लघु व्यवसाय क्षेत्रों में आर्थिक स्थिरता और विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

बैठक के दौरान, एक प्रमुख बैंक के जिला प्रबंधक, कुलदीप कुमार कौशल ने भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए बजट आवंटन की जानकारी प्रदान की। पंजाब नेशनल बैंक के उपमंडल प्रमुख राकेश चंद कटोच ने किसानों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान कृषि क्षेत्र, सूक्ष्म, मध्यम और लघु उद्यम क्षेत्र में पर्याप्त ऋण वितरित किए गए थे।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives

NGO's/CSR Foundations

Dairy Farmers

Students

Professional

www.cedsi.in @cedsi_india

7972377422

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी